



संपादकीय

# महाशिवरात्रि पर डीडवाना में निभाई गई<sup>१</sup> सांप्रदायिक सौहार्द की अनुठी परंपरा

डीडवाना। दुनियाभर में भारत की पहचान गंगा जमुनी तहजीब की रही है। यहां सदियों से हिंदू मुस्लिम सहित अनेक समुदाय साथ रहते आए हैं। यह भारत का साम्राज्यिक सोहार्द ही है, जो सभी बर्गों और धर्मों को एकसूत्र में बांधे रखता है।

ऐसा ही साम्प्रदायिक साहार्द और हिन्दू मुस्लिम एकता का नजारा आज डीडवाना में देखने को मिला, जब महाशिवरात्रि पर्व के मौके पर हिन्दू-मुस्लिम समुदाय के लोग गले लगे और एक दूसरे का सम्मान किया। राजस्थान में डीडवाना की पहचान सांप्रदायिक सौहार्द्ध वाले शहर के रूप में रही है। डीडवाना शहर अपने आप में गंगा जमुनी तहजीब का एक बड़ा उदाहरण है, यहां दोनों सम्प्रदाय के लोग एक साथ धार्मिक परम्पराएं निभाकर दीपावली, होली, ईद एक साथ मनाते हैं। महाशिवरात्रि पर भी एक ऐसी अनूठी परम्परा निर्भाइ जाती है, जो दोनों धर्मों के सौहार्द्ध को एक

महाशिवरात्रि पर नाथ सम्प्रदाय के महंत के जुलूस का मुस्लिम इलाके में स्वागत किया।

डोर में बांधती है। ऐसी ही गंगा जमुनी तहजीब का नजारा आज डीडवाना में फिर से दिखाए दिया। धार्मिक सौहार्द्ध ऐसा की हर कोई एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव। मौका था महाशिवरात्रि का, इस मौके पर हर हर महादेव की गूंज के साथ साथ जोगामंडी धाम के प्रमुख पीर

- मुस्लिम समाज ने नाथ महंत का किया अभिनन्दन
- मुस्लिम समुदाय ने नाथजी को श्रीफल भेंट किया
- सदियों से हिन्दू-मुस्लिम समुदाय निभा रहे हैं पौराणिक परंपरा

कर उहे श्रीफल भेट किया। डीडवाना में सदियों पूर्व साम्प्रदायिक सद्द्वावना की जो नींव हिन्दू-मुस्लिम समुदायों के पूर्वजों ने डाली थी, वो आज भी बदस्तूर जारी है। दोनों समुदायों के लोग न केवल इस परम्परा का पौराणिक तरीके से अनुसरण कर रहे हैं, बल्कि देश व दुनिया को भी साम्प्रदायिक सद्द्वाव का संदेश दे रहे हैं। इस परम्परा के साथ एक खास बात और जुड़ी हुई है, जो सही मायने में साम्प्रदायिक सौहार्द की जड़ों को मजबूत करती है। नाथ सम्प्रदाय के इस जोगा मण्डी धाम में जब भी नाथ मठाधीश की नियुक्ति होती है, तब मुस्लिम समाज उन्हें पगड़ी पहनाता है और माथुर समाज शॉल ओढ़ाता है, ताकि जाकर नए महंत की नियुक्ति होती है।

जब पूरे देश में साम्प्रदायिक सद्द्वाव के ताने बाने पर हमले चल रहे हैं, ऐसे दौर में आज भी भारतीय की गंगा जमुनी तहजीब जिंदा है जो दुनिया को बताती है कि सभी भारतीय एक हैं, और उन नफरत को भी खारिज करते हैं। यह सद्द्वाव उन लोगों को करारा जवाब है जो आए दिन समाज में नफरत फैलाते हैं। डीडवाना कि यह अनूठी परम्परा देश को तोड़ने वाली ताकतों मुंह पर करारा तमाचा है और मिसाल भी है।

# राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा की तैयारी

## २५१ महाकुंभ कलश यात्रा निकालो

**भीलवाडा** । राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा की तैयारी को अंतिम रूप दे दिया गया है। जिले में 51 केंद्रों पर 41,352 अध्यर्थी परीक्षा देंगा। पहले दिन दो पारी में सुबह 10 से 12.30 ब दूसरी पारी दोपहर 3 से 5.30 बजे तक परीक्षा होंगी। दूसरे दिन एक पारी में सुबह 10 से 12.30 बजे तक परीक्षा होंगी। एजाम को लेकर शहर सहित आटून, पालडी, आरजिया, अगरपुरा, पांसल, मांडल, सुवाणा के स्कूलों में भी सेंटर बनाये हैं।

खास बात यह है कि इस बार रीट वाले अध्यर्थी अपनी परीक्षा के लिए अपने घर से नहीं आये। उन्हें बाजार में आया और अपनी परीक्षा के लिए बस से आया। यह बात अत्यधिक ध्यान लेने वाले के लिए अत्यधिक अनोखी बात है।

भीलवाड़ा। महाशिवरात्रि पर्व पर  
कोली समाज विकास ट्रस्ट भीलवाड़ा  
के तत्वाधान में आयोजित किए गए श्रृंगार  
बदलेश्वर महादेव मंदिर सप्त  
पाटोंत्सव एवं कुंभ कलश यात्रा एवं  
महिला जागृति सम्मेलन में मुख्य  
वक्ता के रूप में बोलते हुए<sup>2</sup>  
महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन  
कहा कि सनातन धर्म ही धर्म ये विश्व  
में भारत की पहचान है बाकी पंथ धर्म  
सब सनातन से निकले हैं।

ने महिलाओं को सजक रह कर परिवार को एक जूट और संस्कार वान बनाने का आवाहन किया। महाकुंभ कलश यात्रा को सुबह 9.15 बजे पंचमुखी दरबार महंत लक्ष्मण दास त्यागी, खटीक समाज के शहर अध्यक्ष एवं पार्षद वार्ड नंबर 51 रमेश चंद खाईवाल, पार्षद और समाज सेवी वार्ड नंबर 52 सत्य नारायण खोईवाल और समाज के पंच चुनीलाल, जिला अध्यक्ष बालू लाल अध्यक्ष ओम प्रकाश, पंडित मोहन लाल बोथेडिया पंडित डालचंद, रूपलाल भेरू लाल लोरावडिया आदि ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। हरि झंडी दिखाने से पूर्व पंडित रामचंद्र मंडिया द्वारा आरत करके कुंभ कलश धारण करने वाल महिलाओं ने प्रयागराज त्रिवेणी संगम जल से बढ़लेश्वर शिवलिंग व अभिषेक करवाया। कोषाध्यक्ष महोंगेंदावध ने बताया कि अतिथियों का मारवाड़ी साफा बंधवाकर सम्पादिया गया। सचिव मुरलीधर लोरवाडिया ने बताया कि कार्यक्रम भामाशाहों के सहयोग से वर्तानुसार प्रसाद की व्यवस्था की गई। समाज अध्यक्ष ओम प्रकाश सुनरिया कार्यक्रम में आगामी भादवा माह छठ को सौर वर्ष पुराने देवालय देव नारायण मंदिर पर कलश चढ़ाने और शिव

परीक्षा के एडमिट कार्ड में क्यूआर कोड है। इसे स्कैन करते ही अध्यर्थियों की सारी डिटेल मिल जायेगी। फर्जी अध्यर्थी पर अंकुश लगाने के लिए पहली बार अध्यर्थियों का फेस रिकाग्निशन होगा। ऐसे में एडमिट कार्ड में अध्यर्थी की ओर से लगाई गई फोटो का सेंटर पर लाइव फोटो से मिलान नहीं हुआ तो अध्यर्थी को एंट्री नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही अंगठ का निशान भी लिया जाएगा। यही नहीं सभी सेंटर सीसीटीवी कैमरों से लैस हैं पैर, सेंटर दिन पहले और 2 दिन बाद फ्री की सुविधा दी गई है। इसके अध्यर्थियों को अपना एडमिट दिखाना होगा। आगर किसी अध्यर्थी को 27 फरवरी की है तो वह फरवरी से 1 मार्च तक रोडवेज बसों पर सफर कर सकेगा। वहीं, अगर अध्यर्थी की परीक्षा 28 फरवरी तो वह 26 फरवरी से 2 मार्च तक रोडवेज बसों में फ्री सफर कर सकता है। अध्यर्थियों को यह सुविधा रोडवेज बस लाइन बसों में ही दी जाएगी।

त्रा  
नए  
र्ड  
की  
25 में  
सी है  
क  
गा।  
की

माहिलाओं को सताना का अच्छा संस्कार देकर अच्छी परवरिश करना चाहिए । कार्यक्रम में जवाहा फाउंडेशन के लोकेंद्र सिंह ने बोलते हुए जवाहर फाउंडेशन के मानव हितार्थ ट्रॉफी रहे कार्यक्रम स्वाभिमान भोजन महिला सम्मान स्वास्थ्य कार्यक्रम अजमेर भीलवाड़ा बांसवाड़ा आदि शहर में एल एन जे ग्रुप और जवाहा फाउंडेशन की ओर चलाए जाने वाली समाज विकास एवं महासचिव और पत्रकार गोपाल मातृ

# मालों सेनों समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर गणेश स्थापना

परबतसर, (निस)। माली, सेनी समाज के द्वारा आगामी फुलेरिया दूज को आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्पेलनको लेकर उपर्युक्त क्षेत्र के ग्राम बडू में छह गांव परबतसर, मकराना, विदियाद, बोरावड, बडू, कालवा माली सेनी समाज सामूहिक विवाह समिति कि बैठक त्रिमूर्ति बालाजी मंदिर परिसर मे अध्यक्ष सत्यनारायण सिंगोंदिया की अध्यक्षता में आयोजित हुईइसी दौरान आचार्य पंडित विमल पारीक ने विधिवत विधी विधान से मत्रोच्चार के साथ विनायक पूजन करवाकर गणेश स्थापना करवाई गई।

- 19 जोड़ी ने एक साथ गणेश पूजन कर सामूहिक विवाह की शुरुआत की

कालवा माली सेनी समाज सामूहिक विवाह समिति कि बैठक त्रिमूर्ति बालाजी मंदिर परिसर मे अध्यक्ष सत्यनारायण सिंगोदिया की अध्यक्षता में आयोजित हुईइसी दोरान आचार्य पंडित विमल पारीक ने विधिवत विधी विधान से मंत्रोच्चार के साथ विनायक पूजन करवाकर गणेश स्थापना करवाई गई।

जिसके मुख्य यजमान नाथूलाल, केशरीमल, नवरत्न टांक थे। आयोजित विनायक पूजन मे सम्मिलित वर-वधु सहित उनके माता पिता और समाज के सैकड़ो लोग भामाशाह सूरत के व्यापारी समाज सेवी भकरी निवासी श्यामसुन्दर

विवाह में शामिल होने वाले सभी जोड़ी को एक एक आलमारी भेट करने वाली घोषणा श्यामसुन्दर सोलंकी भक्तिरी द्वारा की गई सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर वधु को उपहार देने वालों ने फ्रीज विजय बनसटिंग अजमेर अल ई डी - , नाथुलाल मेटल टूल्स जयपुर नवरत्नमल पुर कहैयालाल टाक लाडनूं , मनु मेटल टूल्स जयपुर, आलमारी श्याम सोलंकी भक्ती , कूलर सुरेश गहलोत सरपंच औमप्रकाश गहलोत , पुखराज र गहलोत बडू , सिलाई मरी गोरधनराम सिंगोदिया बाग बैरा बडू मिक्सी अर्जुन राम टीकमचंद शिवराम गहलोत पिपलिया बैरा बडू श्री रानाब कैटीन सूरत निवासी बडू , छत पंसु सुगनाराम - नोरतमल मारोठिंग भाकरी ( इमरती की ढाणी ), गेंचूल्हा ओमप्रकाश पुत्र रामकर कच्छावा हरसौर, 2 कुर्सी सेट औं एक फ्रेश बाबूलाल जी कैलाश र

दगदी गूलर, स्टॉल टको 20 पुखराज जी पुत्र शंकरलाल खारोलिया इंदौर, प्रत्येक जोड़े को डबल बैट ब्लैकेट तनसुख जी सैनी / स्वर्गीय छोटराम सैनी निवासी नांवा शहर, पानी का कैन 20 लिटर कस्तुरमल - महेन्द्र सिंगोदिया गैंडा कला, बाथरूम सेट विष्णु दत्त टाक परबतसर और डॉ. रामस्वरूप तुन्दवाल कालवा, गर्म खाने का टिफिन महेन्द्र कुमार - अमित कुमार मारेठिया ग्वालियर वाले बिदियाद, मार्वल का चकला बेलन रामादेवी / स्व श्री रामबल्लभ उबाणा आकाशिया बेरा बिदियाद, दिवार घड़ी हीरालाल सोलंकी बंगला वाले मकराना , दिवार घड़ी भागचंद टाक बोरावड, मार्वल घड़ी बाबूलाल जी उबाना अगुणा बास बिदियाद, गर्म खाना का टिफिन गोविंद राम गहलोत पिपालिया बेरा बडू, गर्म पानी की केतली ओमप्रकाश पुत्र लिखमाराम सिंगोदिया नदी बेरा बडू सहित कई

# तत्कालेश्वर महादेव मंदिर से बाबा महाकाल नगर भ्रमण के लिए शाही लवाजमे के साथ निकले

**केकड़ी** (निस) । महाशिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को शहर के पुरानी तहसील परिसर में तत्कालैश्वर महादेव मंदिर में विराजित बाबा महाकाल नगर भ्रमण के लिए अपने शाही लवाजमे के साथ निकले। इस मौके पर महाकाल सेवक समिति के द्वारा भव्य शाही सवारी निकाली गयी। शिवरात्रि के अवसर पर सुबह पूजा अर्चना के पश्चात 10.15 बजे बाबा महाकाल की मनमहेश प्रतिमा को साजनी में विसर्जित तरा दाढ़ी में

करते हुए तथा शंख, मजीरा, ढो ताशे बजाते हुए शाही सवारी में शामिल हुए। शाही सवारी के आधिकार बाबा महाकाल की मनमहेश प्रतिमा को पालकी में विराजित कर सेवक अपने कंधों पर पालकी को लेकर चल रहे थे। इस दौरान शहर के प्रमुख मंदिरों के बाहर बाबा महाकाल की आरती की गई। घण्टाघर पर बाबा महाकाल की शाही सवारी में शामिल होते हुए विद्यायक शत्रुघ्न गौतम ने पालकी उठाई तथा प्रदान की आरती में शामिल बाबा

पालकी म सवारी जात क हाथी म  
पालकी उठाकर सेवक बाबा महाकाल  
को नगर ध्रमण के लिए लेकर निकलो।  
शाही सवारी शहर के मार्गों से  
होकर गुजरी तो पूरा माहील भक्तिमय  
हो गया तथा गुलाल अबीर व फूलों से  
सड़के सरोबार हो गयी। डेढ़  
किलोमीटर लम्बे शाही सवारी के  
लवाजमे के दौरान डीजे की धून पर  
बजते महाकाल के भजनों पर भक्तगण  
नाचते गाते हुए शिव भक्ति में लीन  
होकर चल रहे थे। शाही सवारी के आगे  
समिति के सेवक बाबा महाकाल की  
शक्ति मरारी दिक्काले जाने का उत्सोष

शाही सवारी के दौरान शिव भक्ति में लीन नजर आए श्रद्धालु, डे  
किलोमीटर लम्बे शाही लवाजमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

करते हुए चल रहे थे वहीं पीछे पीछे  
बैण्ड बाजों व डोजे की धून पर नाचते  
गाते हुए श्रद्धालु महिला पुरुष शिव  
भक्ति में लीन होकर चल रहे थे। इस  
मौके पर शाही सवारी में 50 फीट लम्बे  
नंदी पर विराजित होकर महादेव व  
पार्वती का वेश धारण कर कलाकार  
महाबली हुमान व महाबली शंकर  
नज़ल रहे थे जो अकर्णा का केन्द्र रहे।

शाही सवार में उज्जेन के 25 सदय  
अगोरी दल ने जगह जगह पर शि  
ताण्डव, शिव विवाह, भस्म आर  
सहित अनेक शिवविवाह से सम्बन्धित  
प्रसंगों का जीवन्त संगीत के बीच मंच  
किया जिसको देखने के लिए  
श्रद्धालुओं की भरी भीड़ उमड़ी नज  
आयी वहीं महाकाल सेवक समिति  
सेवक महाल अधिपति व प्राप्तों की वाह

महादेव का आत्मा म शामल हुए  
शाही सवारी के दौरान शहर में जगह  
जगह पर धार्मिक, सामाजिक व  
व्यापारिक संगठनों ने स्वागत द्वार  
बनाकर शाही सवारी का पुष्ट वर्षा कर  
स्वागत किया तथा सेवकों के लिए  
जलपान की व्यवस्था की। शाही सवारी  
बस स्टेण्ड स्थित तत्कालेश्वर महादेव  
मंदिर से प्रारम्भ होकर पुलिस थाने के  
बाहर, तीन बत्ती चौराहा, अजमेरी गेट,  
घटाघर, सदर बाजार, खिड़की गेट,  
लोढ़ा चौक, चारभुजा मंदिर, माणक  
चौक, सूरजपोल गेट, हरिजन बस्टी,  
धैरू गेट, बड़ा गवाहारा, सर्पगढ़ी गेट

म विवरित भूजा अचना के बा  
विराजित किया गया वर्ही इस मौके प  
तत्कालेश्वर महादेव मंदिर, बालाज  
मंदिर व महाकाल मंदिर के शिखर  
शिखर पर प्रातः पूजा अचना के बा  
कलश स्थापित किए गए। तत्कालेश्वर  
महादेव मंदिर में धर्मावलम्बी संज्ञा  
खण्डेवाल द्वारा, बालाजी मंदिर व  
पार्षद लोकेश साहू व महाकाल बाबा  
में गुप्त सज्जन के द्वारा बोली छुडाया  
जाने पर मंदिर पुजारी द्वारा कलश क  
स्थापना की गई। इस मौके पर बड़ा  
संच्चा में श्रद्धालु महिला पुरुष मौजूद  
हों।











